OPTIMUM
INTERNATIONAL SCHOOL

CLASS – VII

Hindi

Date:-15/04/2020

उपलब्ध पाठ्य सामग्री के आधार पर नीचे दिए गए गृहकार्य पूरा करे।

1. वरदान कविता याद करें।
2. पाठ से संबंधित शब्दार्थ याद करें, इसके उपरांत शब्दार्थ को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

Scanned with CamScanner

क्रम	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	पृष्ठ
1.	वरदान	कविता	रवींद्रनाथ ठाकुर	7
2.	देशप्रेम का दाम	कहानी	विभूति पटनायक	13
3.	प्रकृति का सान्निध्य	लेख	काका कालेलकर	23
4.	शहीद का पत्र	पत्र		30
●	विदेश में स्थित भारतीय विरासत (केवल पढ़ने के लिए)	रोचक जानकारी		37
5.	कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती	कविता	डॉ० हरिवंशराय बच्चन	39
6.	वीर बालक	एकांकी	रामकुमार वर्मा	44
7.	प्रायश्चित	कहानी	भगवती चरण वर्मा	60
8.	स्वच्छ भारत अभियान	लेख		69
●	दया धर्म का मूल है (केवल पढ़ने के लिए)	प्रेरक प्रसंग		77
9.	सरिता	कविता	गोपाल सिंह 'नेपाली'	78
10.	फाहियान की भारत यात्रा	यात्रा-वृत्तांत	महावीर प्रसाद द्विवेदी	85
11.	जब मैंने पहली पुस्तक खरीदी	आत्मकथा	धर्मवीर भारती	92
12.	हिम्मत और जिंदगी	निबंध	रामधारी सिंह 'दिनकर'	100
●	वृक्ष : हमारे मित्र (केवल पढ़ने के लिए)	जानकारी		107
13.	दोहा-दशक	दोहे	तुलसीदास/रहीम	10
14.	बदला तो मैंने भी लिया था	संस्मरण	ध्यानचंद	11
●	अभ्यास प्रश्न-पत्र–1			12
●	अभ्यास प्रश्न-पत्र–2			1

Scanned with CamScanner

1 वरदान

प्रस्तुत कविता में कवि रवींद्रनाथ ठाकुर ने जीवन में कर्मठ बने रहने और स्वतंत्रतापूर्वक हर परिस्थिति में डटकर निरंतर संघर्ष करते रहने का संदेश दिया है। कवि का मानना है कि विपत्तियाँ मनुष्य के बल-बुद्धि, साहस और कार्य-कुशलता की कसौटी है। कवि ने ईश्वर से जगत के कल्याण की कामना भी की है।

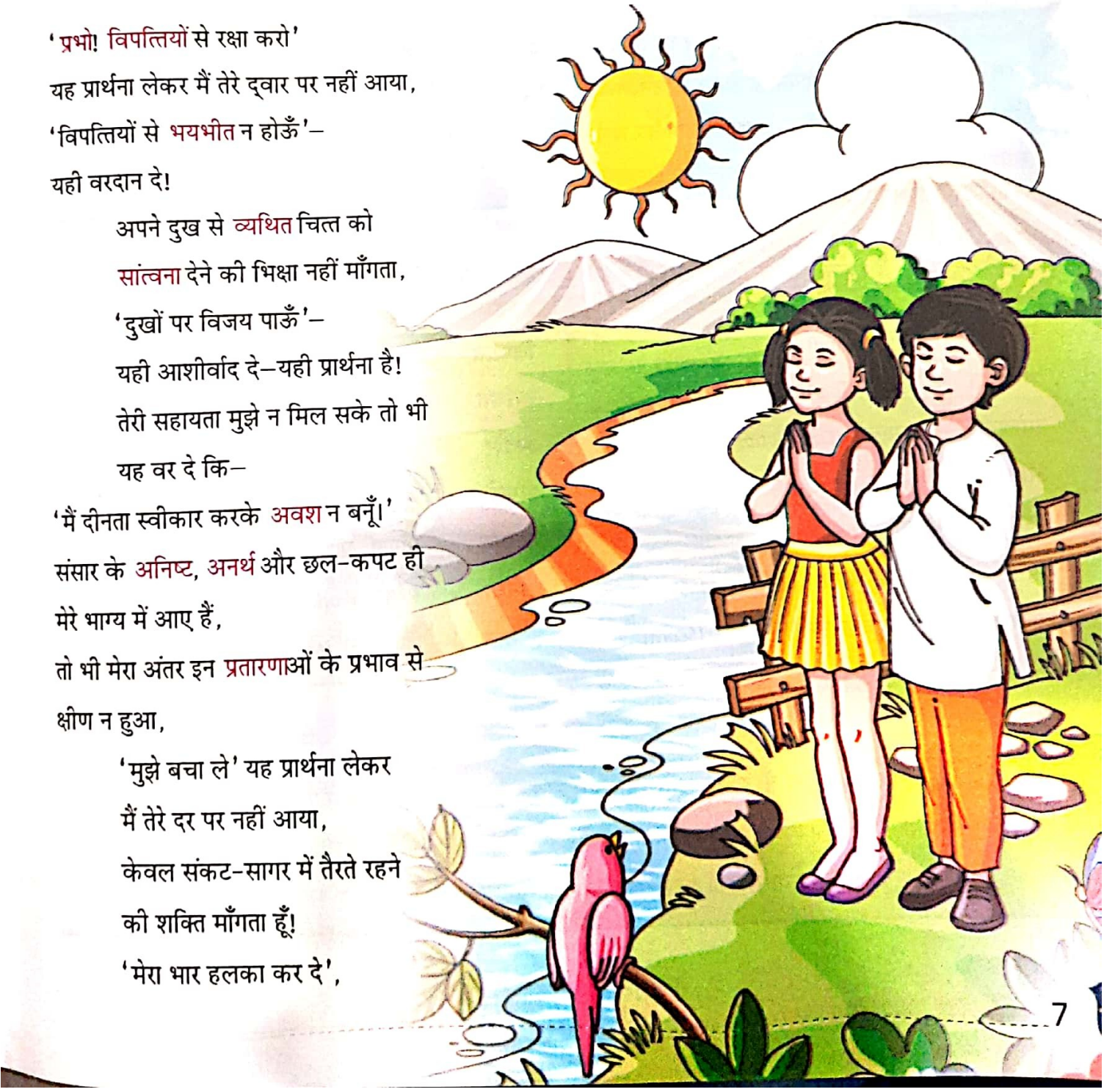

'प्रभो! विपत्तियों से रक्षा करो'
यह प्रार्थना लेकर मैं तेरे द्वार पर नहीं आया,
'विपत्तियों से भयभीत न होऊँ'–
यही वरदान दे!

अपने दुख से व्यथित चित्त को
सांत्वना देने की भिक्षा नहीं माँगता,
'दुखों पर विजय पाऊँ'–
यही आशीर्वाद दे–यही प्रार्थना है!
तेरी सहायता मुझे न मिल सके तो भी
यह वर दे कि–

'मैं दीनता स्वीकार करके अवश न बनूँ।'
संसार के अनिष्ट, अनर्थ और छल-कपट ही
मेरे भाग्य में आए हैं,
तो भी मेरा अंतर इन प्रतारणाओं के प्रभाव से
क्षीण न हुआ,

'मुझे बचा ले' यह प्रार्थना लेकर
मैं तेरे दर पर नहीं आया,
केवल संकट-सागर में तैरते रहने
की शक्ति माँगता हूँ!
'मेरा भार हलका कर दे',

Scanned with CamScanner

यह याचना पूर्ण होने की सांत्वना नहीं चाहता,
'यह भार वहन करके चलता रहूँ'–यही प्रार्थना है।
सुख भरे क्षणों में नतमस्तक हो तेरे दर्शन कर सकूँ।
किंतु दुख भरी रातों में
'जब सारी दुनिया मेरा उपहास करेगी'
तब मैं शंकित न होऊँ–
यही वरदान चाहता हूँ।

–रवींद्रनाथ ठाकुर

अध्यापन-संकेत– प्रकृति के उपासक गुरुदेव रवींद्र की इस कविता को लय के साथ गाएँ और छात्रों को भी लय के साथ गाने के लिए प्रेरित करें। गायन के समय कठिन शब्दों के अर्थ बताते जाएँ। छात्रों को निरंतर अपना कर्म करते रहने की प्रेरणा दें। एक शब्द के वर्णों को अलग-अलग कर वर्ण-विच्छेद करने और विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द की जानकारी दें। सर्वनाम की परिभाषा उदाहरण सहित बताएँ।

शब्दार्थ

प्रभो – ईश्वर (*God*)
भयभीत – डरा हुआ (*Afraid*)
सांत्वना – तसल्ली (*Consolation*)
अनिष्ट – अशुभ (*Mischief*)
प्रतारणा – ठगी (*Admonition*)
वहन – निर्वाह करना (*Bearing, carrying*)
उपहास – निंदासूचक हँसी, खिल्ली (*Scorn*)
विपत्ति – संकट (*Calamity, misfortune*)
व्यथित – दुखी (*Distressed*)
अवश – लाचार (*Helpless*)
अनर्थ – बुरा (Misfortune)
याचना – माँगना, प्रार्थना करना (*Solicitation*)
दुनिया – संसार (*World*)
शंकित – शंकायुक्त (*Mistrustful*)

लेखक-परिचय– बंगला साहित्य के महान कवि रवींद्रनाथ ठाकुर का जन्म कोलकाता में 7 मई, 1861 ई० को हुआ था। ये पहले भारतीय थे, जिन्हें अपनी महान साहित्यिक कृति 'गीतांजलि' पर नोबेल पुरस्कार मिला। इन्होंने कविता के अतिरिक्त कहानी, नाटक तथा उपन्यास आदि भी लिखे हैं। हमारा राष्ट्रीय गान– 'जन-गण-मन' इन्हीं की कृति है।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

मौखिक

Speaking Skills

1. दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए।

विपरीत, सांत्वना, भिक्षा, आशीर्वाद, अनिष्ट, प्रतारणा, नतमस्तक, अंकित

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) कवि ने ईश्वर से किससे रक्षा करने की बात कही है?

(ख) कवि ईश्वर से क्या वरदान माँग रहे हैं?

(ग) कविता का एक अन्य शीर्षक क्या हो सकता है?

(घ) कवि किस 'दीनता' की बात कर रहा है?

लिखित

Writing Skills

1. सही उत्तर चुनकर (✓) का निशान लगाइए।

(क) कविता का मुख्य उद्देश्य है–

ईश्वर की अधीनता स्वीकार न करना ☐ सुख में ईश्वर को भूल जाना ☐

विपत्तियों से भयभीत न होना ☐ मनुष्य में कर्मठता और संघर्षशीलता पैदा करना ☐

(ख) कवि के भाग्य में क्या आया है?

अनिष्ट, अनर्थ और दीनता ☐ छल-कपट, प्रताड़ना और अनर्थ ☐

अनिष्ट, अनर्थ और छल-कपट ☐ दीनता, प्रताड़ना और अनर्थ ☐

(ग) कवि किसके सागर में तैरते रहने की शक्ति माँग रहा है?

संकट-सागर में ☐ दुख के सागर में ☐

साहस के सागर में ☐ सुख के सागर में ☐

2. अति लघूत्तरीय प्रश्न

(क) कवि ईश्वर से क्या प्रार्थना करता है?

(ख) कवि ईश्वर से क्या आशीर्वाद माँगता है?

(ग) यह कविता किसे संबोधित करके लिखी गई है?

3. लघूत्तरीय प्रश्न

(क) ''मैं दीनता स्वीकार करके अवश न बनूँ''– का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि ईश्वर से किसकी भिक्षा नहीं चाहता?

(ग) प्रस्तुत कविता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(क) 'जब सारी दुनिया मेरा उपहास करेगी'–पंक्ति के पीछे कवि का क्या भाव है?

(ख) संकट से घिरे व्यक्ति का संसार क्यों उपहास उड़ाता है?

(ग) कविता का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।

5. नीचे दी गई पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

(क) यह वर दे कि–

'मैं दीनता स्वीकार करके अवश न बनूँ।'
संसार के अनिष्ट, अनर्थ और छल-कपट ही
मेरे भाग्य में आए हैं,
तो भी मेरा अंतर इन प्रतारणाओं के प्रभाव से
क्षीण न हुआ,

(ख) 'मेरा भार हलका कर दे',
यह याचना पूर्ण होने की सांत्वना नहीं चाहता,
'यह भार वहन करके चलता रहूँ' – यही प्रार्थना है।
सुख भरे क्षणों में नतमस्तक हो तेरे दर्शन कर सकूँ।

भाषा–ज्ञान

Language Learning Skills and Grammar

1. वर्ण-विच्छेद–जब किसी शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग-अलग करके लिखा जाता है, तो उसे वर्ण-विच्छेद कहते हैं; जैसे– दीनता– द् + ई + न् + अ + त् + आ।

निम्नलिखित के सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) अनर्थ–

अ + न् + र् + थ् + अ ☐ अ + न् + र् + अ + थ् + अ ☐

अ + न् + अ + र् + अ + थ् + अ ☐ अ + न् + अ + र् + थ् + अ ☐

Scanned with CamScanner

(ख) धरती–

ध + अ + र + अ + त + ई ☐ ध + अ + र + त + ई ☐

ध् + अ + र् + अ + त् + ई ☐ ध् + अ + र + अ + त् + ई ☐

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(क) भयभीत x .....

(ख) सौभाग्य x .....

(ग) आशीर्वाद x .....

(घ) स्वीकार x .....

(ङ) विजय x .....

(च) अर्थ x .....

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) प्रार्थना ....

(ख) संकट ....

(ग) चित ....

(घ) प्रभु ....

(ङ) सागर ....

(च) रात ....

4. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम हैं।

सर्वनाम के भेद

पुरुषवाचक | निश्चयवाचक | अनिश्चयवाचक | प्रश्नवाचक | संबंधवाचक | निजवाचक

कविता में से कम-से-कम आठ सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए।

....

....

हँसते-खेलते

विषय संवर्धन गतिविधियाँ
(Subject Enrichment Activities)

1. आपको यदि ईश्वर से कोई वरदान माँगने को कहा जाए तो आप क्या वरदान माँगेंगे और क्यों? ध्यान रखें, आपका वरदान इस कविता के वरदान से अलग होना चाहिए।

2. 'उन्नति' से आप क्या समझते हैं? आप अपने जीवन में उन्नति करके कहाँ तक पहुँचना चाहेंगे? ज़रा सोचिए और उत्तर लिखिए।

Scanned with CamScanner

3. **कविता में आए नैतिक मूल्यों के बारे में लिखिए।**

4. **रवींद्रनाथ टैगोर 'गुरुदेव' के नाम से प्रसिद्ध थे। यह उनका उपनाम था। इन प्रसिद्ध व्यक्तियों के उपनाम लिखिए– महात्मा गांधी, डॉ० राजेंद्र प्रसाद, वल्लभ भाई पटेल, जयप्रकाश नारायण, जवाहरलाल नेहरू, लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, मेजर ध्यानचंद और सचिन तेंदुलकर।**

घेरा समय

1. जब मनुष्य स्वयं को कमज़ोर पाता है तब ईश्वर की शरण लेता है। इस कथन पर घेरा समय में अपने विचार रखिए।
2. क्या आपने कभी विषम परिस्थितियों का मुकाबला साहस और धैर्य के साथ किया है? अपने अनुभवों को घेरा समय में साझा कीजिए।

पाठ से आगे

1. प्रस्तुत कविता और शिवमंगल सिंह 'सुमन' द्वारा लिखित कविता 'वरदान माँगूँगा नहीं' में काफ़ी भाव साम्यता है। आप पुस्तकालय से उनकी पुस्तक लेकर यह कविता पढ़िए।
2. राष्ट्रगान याद कीजिए और उसे 52 सेकंड में गाने का प्रयास कीजिए।
3. भारत की सीमा किन-किन सागरों/महासागरों से मिलती है?

Scanned with CamSca

****Link of Optimum Online E-Learning Platform:- http://www.optimumschool.net/online**
In case of any query call at +91-9818033213

OPTIMUM
INTERNATIONAL SCHOOL